Raj Express (Indore) 10th August 2020, Page-2

आईआईटी इंदौर को इनोवेशन हब के लिए 100 करोड़ के अनुदान को मंजूरी

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर को मप्र और मध्य भारत के लिए एक प्रमुख प्रोत्साहन के रुप में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने सिस्टम-सिमुलेशन, मॉडलिंग और साइबर-भौतिक प्रणालियों के विजुअलाइजेशन पहलुओं पर टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित करने के लिए 100 करोड़ के अनुदान को मंजूरी दी है। प्रस्ताव आईआईटी इंदौर के 8 संकाय सदस्यों, डॉ. पवन कुमार कांकर, डॉ. भूपेश कुमार लाड, प्रो. अभिनव क्रांति, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, प्रो. संदीप चौधरी, डॉ. अंकुर मिगलानी, डॉ. भार्गव वैद्य और डॉ. किरण बाला द्वारा रखा गया था।

कोर टीम को संस्थान के अंदर और बाहर डोमेन विशेषज्ञों द्वारा समर्थन दिया गया। इसके अतिरिक्त दृष्टि-सीपीएस बहुत सक्षम और कुशल विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा सलाह से लाभांवित हो रहा है। अधिकांश आधुनिक प्रणालियों में आज इंटरनेट ऑफ थिंग्स की तैनाती के माध्यम से व्यापक रुप से परस्पर जुड़े होने के अलावा एक डिजिटल उपस्थिति है। ऐसे सिस्टम जिन्हें लोकप्रिय रुप से सीपीएस के रुप में जाना जाता है, डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम है। मानव के जीवन में सीपीएस का तेजी से प्रसार हुआ है।

हब कुशल मानव संसाधनों के विकास में सीधे योगदान देगा

डॉ. कांकर ने कहा कि आईआईटी इंदौर ने टीआईएच ने साइबर फिजिकल सिस्टम्स के क्षेत्र में कौशल वृद्धि, प्रौद्योगिकी विकास और उत्पाद व्यावसायीकरण में नेतृत्व करने की योजना बनाई है। प्रस्तावित हब का उद्देश्य एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो मॉडलिंग, सिमुलेशन और सीपीएस के विजुअलाइजेशन की सुविधा प्रदान करने वाली प्रौद्योगिकियों के विकास और व्यावसायीकरण का समर्थन करता है। यह उद्देश्य सही अर्थों में तब प्राप्त होगा जब एक आत्मनिर्भर प्रणाली आरएंडडी परियोजनाओं, पेटेंटिंग, लाइसेंसिंग और व्यावसायीकरण, स्टार्टअप कंपनियों और स्पिन ऑफों के ऊष्मायन और उद्योग के साथ संयुक्त परियोजनाओं की शुरुआत का समर्थन करती है। आईआईटी इंदौर हब कुशल मानव संसाधनों के विकास में सीधे योगदान देगा। यह नॉलेज शेयरिंग और प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन करके किया जाएगा, जिसमें उद्योग संचालित पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण, वेबिनार, कार्यक्रम, कार्यशालाएं, भव्य चुनौतियां, सम्मेलन, हैकथॉन, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और टिंकरिंग गतिविधियां शामिल होंगी।